>

Title: Need to open Sainik School, Polytechnics and ITIs in Rajgarh district in Madhya Pradesh.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): सभापति महोदय, किसी भी समाज के विकास में अन्य बातों के अलावा महत्वपूर्ण बिन्दु शिक्षा का होता है। यदि शिक्षा का समुचित विकास न हो तो उस देश का विकास होना ही संभव नहीं है, क्योंकि चाहे साइंस या टेक्नोलॉजी हो अथवा स्वास्थ्य या तकनीकी विषय हो, इनका बुनियादी बिन्दु शिक्षा ही है। यहां तक कि संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार का ज्ञान भी हमें तभी हो सकता है जब हम शिक्षित रहें। भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना सर्व शिक्षा अभियान के रूप में पूरे देश में शिक्षा के रूप में समुचित कार्य कर रही है तथा भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कानून शिक्षा का अधिकार अधिनियम बनाकर देश के सर्वांगीण विकास में एक ऐसा महत्वपूर्ण बिन्दु स्थापित किया है जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। परन्तु बहुत से राज्यों सहित मध्य प्रदेश में तकनीकी तथा रोजगार से संबंधित शैक्षणिक संस्थाएं समुचित नहीं हैं और यदि हैं भी तो प्रदेश के किसी एक भाग में बहुत अधिक इस प्रकार की शैक्षणिक संस्थाएं हैं तथा उसी प्रदेश के किसी अन्य भाग में कई सौ किलोमीटर तक तकनीकी एवं रोजगार से संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं का अभाव है। इसका ज्वलंत उदाहरण मेरे लोक सभा क्षेत्र राजगढ़ का है जहां केवल एक पोलिटेक्निक तथा एक आईटीआई है तथा प्रदेश में केवल एकमात्र सैनिक स्कूल रीवा में है जो कि प्रदेश के एक कोने में उत्तर प्रदेश एवं बिहार की सीमा पर स्थित है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि राजगढ़ संसदीय क्षेत्र में बहुत अधिक शासकीय भूमि है। वह पथरीली होने के कारण कृषि के योग्य भी नहीं है तथा यहां का सबसे पिछड़ा क्षेत्र तंवरवाड़ है। अत: राजगढ़ जिले में सैनिक स्कूल तथा आईटीआई एवं पोलिटेक्निक या इंजीनियरिंग महाविद्यालय खोलने के बाबत् आवश्यक रूप से निर्णय करें तथा राज्य सरकार से भी इस आशय के प्रस्ताव मंगवाने हेतु समुचित पत्र लिखें ताकि मेरे संसदीय क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में न्याय मिल सके। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।